www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 343 || लखनऊ
शुक्रवार
20 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

https://epaper.tamsasanket.com

मौसम
सूर्योदयः 06:12
सूर्यास्तः 06:17
अधिकतमः 27.00
न्यूनतमः 17.00

विशेष समाचार: लोक आस्था का संगमःभद्रकाली... >> पेज 02 | नोरा-संजय पर महिला आयोग का... >> पेज 03 | 'योगी सरकार अपराध के बदलते...

फास्ट न्यूज

जुबीन गर्ग केस की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट नियुक्त

गुवाहाटी । गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम के सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले की हर दिन सुनवाई के लिए एक विशेष फास्ट-ट्रैक सेशन कोर्ट नियुक्त किया है। बक्सा जिले की जिला जज शर्मिला भुइयां इस फास्ट-ट्रैक कोर्ट की अध्यक्षता करेंगी।

अलर्ट मौसम

राजस्थान में लगातार दूसरे दिन ओले गिरे

भोपाल / लखनऊ / शिमला/ देहरादून । देश के कई हिस्सों में मौसम ने अचानक करवट ली है। राजस्थान के सीकर में लगातार दूसरे दिन तेज बरसात के साथ ओले गिरे हैं। आंधी-बारिश के कारण हुए हादसे में जैसलमेर में दो भाइयों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में भोपाल, इंदौर-ग्वालियर समेत 33 जिलों में आंधी-बारिश और 3 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने अगले 3 दिन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटे तक की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान जताया है।उधर हरियाणा के रेवाड़ी में रात में हुई तेज बारिश के साथ ओले गिरे। सड़कों पर पानी भर गया। आंधी के चलते सड़कों पर लगे होर्डिंग भी उखड़ गए। बारिश के कारण दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। आने वाले दिनों में दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी।

अस्पताल अग्निकांड में 4 अफसर सस्पेंड

कटक । कटक के श्रीराम चंद्र भंज (SCB) मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने की घटना के दो दिन बाद ओडिशा सरकार ने 4 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें अग्निशमन सेवा के 3 और विद्युत विभाग का एक अफसर शामिल है। इस बीच, विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल ने चार जूनियर अधिकारियों के निलंबन को सिर्फ दिखावा बताया। BJD के प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इतने संवेदनशील मामले को लेकर बहुत ही लापरवाही भरा रवैया अपनाया है।

पालम अग्निकांड की शोकसभा में पहुंचे केजरीवाल, बोले- बीजेपी पीड़ितों से नहीं मिलने दे रही

दिल्ली में भाजपा और आप कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

शोकसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के पालम इलाके में हुए अग्निकांड में एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत के बाद गुरुवार को शोकसभा हुई।

इसमें आम आदमी पार्टी (AAP) और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। शोकसभा में AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, विधायक आतिशी और प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज भी मौके पर पहुंचे थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

सौरभ भारद्वाज बोले- मुझे कुर्सी फेंक कर मारी

AAP नेता सौरभ भारद्वाज ने घटना के बाद X पर लिखा- ये शोक सभा है। ये कुर्सी भाजपा के विधायक कुलदीप सोलंकी के गुण्डों ने मुझे फेंक के मारी। मुझे नहीं लगी, हमारे पूर्व विधायक विनय मिश्रा के सिर में लगी , वो घायल हुए सोचिए एक परिवार के 9 लोग इस भाजपा सरकार की लापरवाही से मर गए और शोकसभा में अरविंद केजरीवाल जी आ रहे थे ये भाजपा की मानसिकता है।

भारद्वाज के वीडियो दिखाने के बाद विवाद शुरू हुआ

पालम में बुधवार को हुए अग्निकांड के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता लगातार पीड़ित परिवार से मिलने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल भी आने वाले थे। उनके आने से पहले सौरभ भारद्वाज और बीजेपी विधायक कुलदीप सोलंकी भी शोकसभा में कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे थे। इस दौरान सौरभ भारद्वाज ने अपने मोबाइल फोन में एक वीडियो दिखाया, जिसमें बचाव कार्य के दौरान हाइड्रोलिक मशीन के फेल होने का दावा किया गया। इस पर उन्होंने प्रशासन और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

>> (शेष पेज 04 पर)

राज्यसभा के 73 सांसदों पर क्रिमिनल केस

नई दिल्ली । राज्यसभा के 73 सांसदों पर क्रिमिनल केस चल रहे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने गुरुवार को राज्यसभा के 229 सांसदों की एक रिपोर्ट जारी की। इसमें हाल ही में चुने गए 37 सांसद भी शामिल हैं।राज्यसभा में 245 सदस्य होते हैं।

राज्यसभा के 73 सांसदों में से 36 (16%) पर गंभीर आरोप हैं। एक सांसद पर मर्डर का केस है। वहीं चार सांसदों पर हत्या की कोशिश और तीन पर महिलाओं से जुड़े अपराध के केस हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि करीब 31 सांसद (14%) सांसदों ने खुद को अरबपति घोषित किया है। बड़ी पार्टियों में कई सांसदों ने 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति बताई है। BJP के 6, कांग्रेस के 5, YSRCP के 4, AAP के 2, BRS के 2, NCP के 3 और अन्य दलों के 9 सांसद इस लिस्ट में हैं। एक राज्यसभा सांसद के पास औसतन करीब 120.69 करोड़ रुपए की संपत्ति है।

नासिक में रेप के आरोप में ज्योतिषी गिरफ्तार

पेन ड्राइव में 58 वीडियो क्लिप मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

- महिला का आरोप- भविष्यवाणियों से डराता, धमकी देता था

मुंबई/नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में 35 साल की महिला से बार-बार रेप करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार मशहूर ज्योतिषी अशोक खरात (67) को लेकर नए खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, ज्योतिषी ने एक नहीं बल्कि कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया है।

FIR के अनुसार, खरात खुद को कैप्टन कहता था क्योंकि वह रिटायर्ड मर्चेंट नेवी अफसर है। वह महिलाओं को उनकी समस्याएं हल करने का झांसा देकर अपने ऑफिस बुलाता था। वहां पहुंचने के बाद वह उन्हें नशीला पदार्थ देकर सम्मोहित करता था। वह महिलाओं को डराकर खासकर उनके पति की मौत की धमकी देकर या तंत्र-मंत्र के डर का हवाला देकर रेप करता था। जांच में यह भी सामने आया कि खरात ने अपने ऑफिस में हिडन CCTV कैमरे लगा रखे थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

एनआईए - एटीएस कोर्ट से तीन माओवादियों को 10 साल की सजा

सरकार के खिलाफ युद्ध की रची साजिश, लखनऊ जेल में बंद हैं

फैसला

- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़े तीन सक्रिय सदस्यों को लखनऊ की विशेष अदालत ने गुरुवार को सजा सुनाई है।
- देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़े तीन सक्रिय सदस्यों को लखनऊ की विशेष अदालत ने गुरुवार को सजा सुनाई है। देश में आतंक फैलाने और सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश के मामले में अदालत ने तीनों आरोपियों को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास और आर्थिक दंड से दंडित किया है। वहीं 25-25 हजार का जुर्माना लगाया। यूपी STF ने 8 अक्टूबर 2010 को कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र से शिवराज सिंह बग्दावल, राजेंद्र कुमार उर्फ अरविंद और कृपाशंकर उर्फ मनोज को गिरफ्तार किया था। >> (शेष पेज 04 पर)

एटीएस की जांच और मजबूत पैरवी से मिली सजा

एटीएस ने विस्तृत जांच कर अदालत में ठोस साक्ष्य पेश किए। प्रभावी पैरवी के चलते एनआईए/एटीएस ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया। लखनऊ कोर्ट ने अदालत ने माना कि आरोपी प्रतिबंधित संगठन के सक्रिय सदस्य थे और उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ साजिश रची थी।

सर्जरीः दो घंटे की ऑपरेशन में डॉक्टरों ने बचाई जान, हालत अब स्थिर

मलाशय में फंसी 500 ग्राम प्लास्टिक बोतल

- विशेषज्ञों की सलाहः समय पर उपचार और परामर्श जरूरी

बृजेन्द्र वीर सिंह

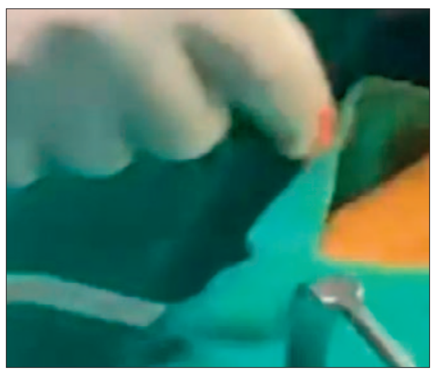

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिले में एक 32 वर्षीय युवक के मलाशय में करीब 500 ग्राम वजन की प्लास्टिक बोतल फंस गई। असहनीय दर्द के बाद उसे अकबरपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वरिष्ठ सर्जन डॉ. विपिन वर्मा के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने दो घंटे की सर्जरी कर उसे सुरक्षित बाहर निकाला। युवक अहमदाबाद में मजदूरी करता है। उसने पहले परिजनों को पेट दर्द की शिकायत बताई थी और वहां डॉक्टर से दवा भी ली, लेकिन राहत नहीं मिली। दर्द बढ़ने पर परिजन उसे गांव ले आए और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार, युवक 'एनल इरोटिसिज्म' नामक मनो-यौन विकार से प्रभावित है।

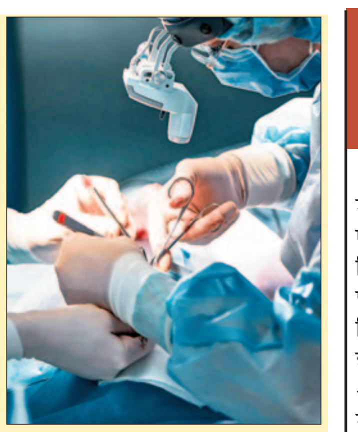

डॉक्टरों ने सलाह दी कि समय पर उपचार और काउंसलिंग से ऐसे जोखिमों को रोका जा सकता है और स्वास्थ्य सुरक्षित रखा जा सकता है।

एक्स-रे से हुई पुष्टि, तुरंत हुई आपातकालीन सर्जरी

स्थानीय अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद एक्स-रे कराने की सलाह दी। रिपोर्ट में मलाशय में बोतल फंसी होने की पुष्टि हुई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तुरंत अकबरपुर के निजी अस्पताल में भर्ती किया और आपातकालीन सर्जरी शुरू की। सर्जरी के दौरान आंत या मलाशय को कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ। ऑपरेशन के बाद युवक की हालत स्थिर है।

>> (शेष पेज 04 पर)

- इजरायल ने जवाबी कार्रवाई में ईरानी हेलिकॉप्टर और गैस फील्ड को निशाना बनाया।
- पश्चिम एशिया में संघर्ष तीसरे हफ्ते में और व्यापक होता जा रहा है।
- गैस फ़ील्ड पर हमले के बाद क़तर के बड़े पेट्रोलियम प्लांट पर ईरान का जवाबी हमला

इजरायल पर किया 64वां हमला

ईरान के जारी हमलों से खाड़ी देश धुआं धुआं

मिडिल ईस्ट तनावः ईरान का 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4' जारी

हाहाकार

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान । जंग के बीच अमेरिका ईरान के तेल पर लगे बैन में ढील दे सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से कहा कि ट्रम्प सरकार ईरान से जो तेल पहले से बाहर जा रहा है, उस पर लगी पाबंदियां कुछ समय के लिए हटा सकती है।

ईरान पर भले ही अमेरिकी पाबंदियां लगी हों, लेकिन फिर भी ईरान कुछ देशों को चोरी-छिपे या खास तरीकों से तेल बेच रहा है।

अब अमेरिका यह सोच रहा है कि जो तेल वैसे भी बाजार में आ रहा है, उस पर लगी पाबंदियों को कुछ समय के लिए ढीला कर दिया जाए, ताकि सप्लाई खुलकर बढ़ सके और कीमतें कम हो सकें।

इसी बीच ओमान ने इस जंग को लेकर अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। >> (शेष पेज 04 पर)

जंग के लिए अमेरिका को अतिरिक्त 200 अरब डॉलर की जरूरत

ईरान के साथ जारी जंग अमेरिका के लिए बेहद महंगी साबित हो रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन को इस जंग को जारी रखने के लिए करीब 200 अरब डॉलर के अतिरिक्त फंड की जरूरत पड़ सकती है। यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस को भेज दिया गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "बुरे लोगों को खत्म करने में पैसा लगता है।" हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 200 अरब डॉलर का आंकड़ा अभी तय नहीं है और इसमें बदलाव हो सकता है।

ईरान के तेल पर बैन हटा सकता है अमेरिका

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि ट्रम्प सरकार पहले से भेजे जा रहे ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी तौर पर हटा सकता है। उनका मकसद युद्ध के बीच बढ़ती तेल कीमतों को काबू में रखना है। उन्होंने फॉक्स बिजनेस से बातचीत में कहा, "असल में हम अगले 10 से 14 दिनों तक कीमतें नीचे रखने के लिए ईरानी तेल का इस्तेमाल खुद ईरान के खिलाफ करेंगे, जबकि हमारा अभियान जारी रहेगा।"

एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के नियम तीन बार बदले

- 6 मार्चः घरेलू एलपीजी बुकिंग के लिए लॉक-इन पीरियड 21 दिन किया गया।
- 9 मार्चः डिमांड बढ़ने से शहरों में लॉक-इन पीरियड बढ़ाकर 25 दिन किया।
- 12 मार्चः ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर बुक करने का गैप 45 दिन किया गया

साउथ पार्स पर हमले के बाद ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अन्य ऊर्जा ठिकानों पर आगे और विनाशकारी हमलों की धमकी दी और कहा कि ऊर्जा क्षेत्र पर किसी भी हमले का वह कड़ा जवाब देगा

क़तर के रास लाफ़ान औद्योगिक क्षेत्र पर ईरान के हमले के बाद काफ़ी नुकसान पहुंचा है

सरकार बोली- सिलेंडर की पैनिक बुकिंग में कमी

- ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94% तक पहुंची
- अमेरिका से एलपीजी की सप्लाई हो रही, कीमतों में बढ़ोतरी नहीं

सरकार ने कहा- एक दिन में 57 हजार रीफिल बुकिंग हुईं

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि LPG सिलेंडर की सप्लाई सामान्य है। 18 मार्च को करीब 57,000 रीफिल बुकिंग हुईं। सरकार ने कॉमर्शियल LPG उपभोक्ताओं से CNG पर शिफ्ट करने की अपील की और बताया कि कई कंपनियों ने इसके लिए इंसेंटिव भी घोषित किए हैं। सुजाता शर्मा ने कहा कि मिडिल ईस्ट में हालात का सीधा असर भारत की एनर्जी सप्लाई पर पड़ता है, इसलिए सरकार अन्य जगहों से भी सप्लाई लेने की कोशिश कर रही है।

पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से की बात

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह से बुधवार रात बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर बात की और हाल की घटनाओं पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने कुवैत पर हुए हमलों की कड़ी निंदा भी की। पीएम मोदी ने क्राउन प्रिंस से कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और बिना रुकावट के जहाजों का निकलना भारत के लिए बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कुवैत में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा के लिए क्राउन प्रिंस का धन्यवाद भी किया, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है।

>> (शेष पेज 04 पर)

राष्ट्रपति ने अयोध्या में रामलला के किए दर्शन

तमिलनाडु से लाए श्रीराम यंत्र की स्थापना की

भक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

- राष्ट्रपति ने राम मंदिर परिसर को देखा। योगी ने उन्हें मंदिर निर्माण के बारे में जानकारी दी।

अयोध्या । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवरात्रि के पहले दिन अयोध्या के राम मंदिर पहुंचीं। उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर को भी देखा। सीएम योगी ने राष्ट्रपति को मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी।

राष्ट्रपति ने कहा- अयोध्या में प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया था। इस पवित्र भूमि पर कदम रखना ही मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राष्ट्रपति करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने उनका स्वागत किया। वहीं, सीएम योगी ने कहा- दुनिया के तमाम देशों में उथल-पुथल मची हुई है। युद्ध चल रहा है। जबकि भारत में शांति है। ये नया और बदलता हुआ भारत है।

>> (शेष पेज 04 पर)

बंगाल में बीजेपी की दूसरी लिस्ट जारी, 111 नाम

एक्ट्रेस रूपा गांगुली को टिकट

उम्मीदवारी

तमसा संकेत, एजेंसी

- असम में सीएम हिमंता 7वीं बार जालुकबारी से लड़ेंगे

नई दिल्ली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी /चेन्नई । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गुरुवार को कैंडिडेट्स की दूसरी लिस्ट जारी कर दी। इसमें 111 कैंडिडेट्स के नाम हैं। एक्ट्रेस रूपा गांगुली को भी टिकट दिया गया है। पार्टी ने सोमवार को 144 कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी की थी।

इसके पहले सुबह असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी की। इसमें सीएम हिमंता बिस्व सरमा सहित 88 नाम हैं। हिमंता अपनी परंपरागत सीट जालुकबारी से चुनाव लड़ेंगे। वे सातवीं बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। 25 दिन पहले भाजपा में आए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को भी टिकट दिया गया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

कांग्रेस को रवैया बदलने की जरूरत

असम चुनाव से कुछ पहले भाजपा ने कांग्रेस को तोड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। असम से कांग्रेस के लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि यह फैसला उनके लिए बेहद कठिन था क्योंकि उन्हें कांग्रेस पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर लगातार अपमान का सामना करना पड़ रहा था। इस अपमान का बदला श्री बोरदोलोई ने अब भाजपा की सदस्यता लेकर पूरा किया है। इससे पहले भूपेन बोरा भी इसी तरह की नाखुशी संगठन से जताकर अलग हुए थे और फौरन ही भाजपा के खेमे में चले गए। आखिर चुनावों से पहले ही मान-अपमान का ख्याल दल बदल करने वाले नेताओं को कैसे आता है, यह सवाल अब तक अनुत्तरित है। ऐसा नहीं है कि केवल कांग्रेस में ही दल बदल का सिलसिला चलता है, कमोबेश सभी पार्टियां इसका शिकार हैं। लेकिन खास बात ये है कि जिस राज्य में कांग्रेस मजबूती से भाजपा को चुनौती देती है, वहां इस तरह की फूट ज्यादा दिखाई देती है। इस समय असम ऐसा ही एक राज्य है, जहां इस बार भाजपा के सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। गौरव गोगोई को असम कांग्रेस का अध्यक्ष बनाकर आलाकमान ने एक बड़ा दांव चला और गोगोई के तेवर जैसे संसद में भाजपा के लिए तीखे रहते हैं, असम में भी हिमंता बिस्वासरमा के सामने वैसे ही तीखे बने हुए हैं। बिस्वासरमा ने गौरव गोगोई को पाकिस्तान का एजेंट बताने जैसे गंभीर आरोप तक लगाए हैं, मगर इनसे पीछे हटने की बजाए गौरव गोगोई सामने आकर बिस्वासरमा को चुनौती दिए जा रहे हैं। बीते दिनों जिस तरह प्रियंका गांधी ने असम में धुआंधार बैठकें कर राज्य इकाई को मजबूत करने की कोशिश की और अब टिकट वितरण का काम जमीनी रिपोर्ट के आधार पर शुरु हुआ है, उसमें भी नजर आ रहा है कि कांग्रेस से इस बार भाजपा को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। भाजपा के लिए एंटी इनक्मबेंसी भी एक बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियां का सामना करने के लिए भाजपा के पास सबसे सुविधाजनक तरीका यही है कि कांग्रेस में फूट डलवाई जाए। प्रद्युत बोरदोलोई और राज्य कांग्रेस के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार का पार्टी छोड़ना इसका प्रमाण है।

प्रद्युत बोरदोलोई ने अपने इस्तीफे के बारे में कहा कि 'मैंने अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक को छोड़ दिया है और इसके लिए मैं खुश नहीं हूं। लेकिन मैंने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कांग्रेस पार्टी, विशेष रूप से असम कांग्रेस के भीतर, मुझसे संपर्क करने वाले लोग मुझे बार-बार अपमानित कर रहे थे। कांग्रेस नेतृत्व भी मेरे प्रति सहानुभूति नहीं दिखा रहा था।' गौरतलब है कि बोरदोलोई 1998 से 2016 तक चार बार विधायक रहे। 2001 से 2015 के बीच असम की कांग्रेस सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी संभाले। और फिर नौगांव से दो बार सांसद रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें आलाकमान से शिकायत है। उनका कहना है कि उनके संसदीय क्षेत्र से एक कांग्रेस विधायक आसिफ नजर के करीबी ने बीते पंचायत चुनाव के दौरान उन पर हमला करवाया था। अब उनका सवाल है कि एक अपराधी को टिकट कैसे दे सकते हैं। बोरदोलोई का कहना है कि जब 13 मार्च को दिल्ली में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में असम चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमिटी के सदस्य सांसद इमरान मसूद ने उनके आरोपों को 'झूठा' करार दिया और गोगोई चुप रहे। इससे उनके 'आत्म-सम्मान' को ठेस पहुंची। आत्मसम्मान की आड़ लेकर बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़ी और अब शायद सम्मान की तलाश में भाजपा चले गए हैं। वहीं असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में नवज्योति तालुकदार ने पार्टी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। यहां भी सवाल वही है कि आखिर अपनी ही पार्टी की कार्यप्रणाली ऐन चुनाव के पहले तालुकदार को नागवार क्यों गुजरने लगी।

दरअसल दलबदल के लिए एक पुख्ता बहाना चाहिए ही होता है, तो अपमान का फैक्टर इसमें सबसे कारगर साबित होता है, क्योंकि इसमें जनता की सहानुभूति मिल जाती है। हालांकि असल में इसमें जनता का अपमान होता है, जिसने इससे पहले आपके काम और विचारधारा के लिए आपको अपना प्रतिनिधि बनाया, लेकिन आपने अपनी विचारधारा ऐसे बदली जैसे कोई वस्त्र बदलता है। वैसे यहां थोड़ी गलती कांग्रेस की भी है, आखिर उसे बगावत के बारे में तभी कैसे पता चलता है जब कोई खेल कर चुका होता है। मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी कांग्रेस उम्मीद लगाए बैठे हुई थी कि वे पार्टी को नहीं छोड़ेंगे, लेकिन सिंधिया ने अपने साथ 22 और विधायकों को तोड़ लिया और कांग्रेस को खबर भी नहीं हुई।

ऐसी बेखबरी के साथ राजनीति तो नहीं की जा सकती, खासकर तब जब सामने भाजपा जैसा प्रतिद्वंद्वी मौजूद हो, जो साम, दाम, दंड, भेद सबका इस्तेमाल करके चुनाव जीतने में यकीन रखे। विधानसभा से पहले राज्यसभा में भी भाजपा का यही खेल बिहार, ओडिशा और हरियाणा में नजर आया। इन तीन राज्यों में कांग्रेस के कुल 11 विधायकों ने पार्टी के निर्देशों की अवहेलना की है। हरियाणा में कांग्रेस के 5 विधायकों ने पार्टी के खिलाफ जाकर वोट किया। ओडिशा में 3 विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया। जिससे कांग्रेस-बीजेडी समर्थक उम्मीदवार की हार हुई।

लोक आस्था का संगम:भद्रकाली मेला

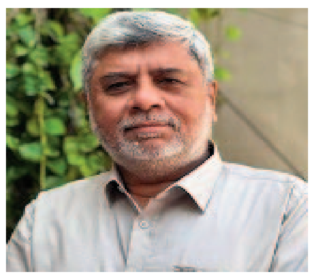

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान अपनी समृद्ध स्थापत्य कला, ऐतिहासिक धरोहरों और रंग-बिरंगी लोक संस्कृति के लिए पूरे देश में विशिष्ट पहचान रखता है। यहां के किले, मंदिर, हवेलियां और लोक परंपराएं जितनी प्रसिद्ध हैं, उतना ही महत्व यहां लगने वाले मेलों का भी है। राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष भर अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक मेले आयोजित होते हैं जो केवल आस्था के केंद्र ही नहीं बल्कि सामाजिक जीवन और लोक संस्कृति के जीवंत उत्सव भी होते हैं। इन्हीं मेलों में हनुमानगढ़ जिले में लगने वाला भद्रकाली मेला विशेष महत्व रखता है।

> हनुमानगढ़ जिले में मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर क्षेत्र की लोक आस्था का केंद्र है। नवरात्रों में यहां लगने वाला मेला सवा सौ साल से अधिक पुरानी परंपरा का जीवंत प्रतीक है जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। हनुमानगढ़ टाउन से लगभग सात किलोमीटर दूर स्थित मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर इस मेले का मुख्य केंद्र है। यहां नवरात्रों के दौरान मेला भरता है। वैसे तो नवरात्रा स्थापना के साथ ही मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन आरंभ हो जाता है लेकिन चैत्र सुदी अष्टमी और नवमी को दो दिनों के विशाल मेला में तो हजारों लोग उमड़ते हैं।

हनुमानगढ़ जिले में मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर क्षेत्र की लोक आस्था का केंद्र है। नवरात्रों में यहां लगने वाला मेला सवा सौ साल से अधिक पुरानी परंपरा का जीवंत प्रतीक है जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। हनुमानगढ़ टाउन से लगभग सात किलोमीटर दूर स्थित मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर इस मेले का मुख्य केंद्र है। यहां नवरात्रों के दौरान मेला भरता है। वैसे तो नवरात्रा स्थापना के साथ ही मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन आरंभ हो जाता है लेकिन चैत्र सुदी अष्टमी और नवमी को दो दिनों के विशाल मेला में तो हजारों लोग उमड़ते हैं। लोकशक्ति की प्रतीक मां भद्रकाली के दर्शन के लिए वैसे तो पूरे वर्ष श्रद्धालु यहां आते रहते हैं लेकिन इन विशेष तिथियों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। आसपास के गांवों और कस्बों के अलावा पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

मेले के दौरान आम दिनों में शांत और वीरान रहने वाला यह क्षेत्र चहल-पहल से भर उठता है। बड़ी संख्या में सजी दुकानों, खिलौनों और घरेलू वस्तुओं की बिक्री करने वाले फेरीवालों, बच्चों के झूलों और रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोगों की भीड़ इस स्थान को एक बड़े उत्सव स्थल में बदल देती है। हर ओर 'मां भद्रकाली की जय' और 'काली माता की जय' के जयकारे गूंजते रहते हैं। लंबी कतारों में जुटे श्रद्धालु घंटों खड़े रहकर मंदिर तक पहुंचते हैं, जहां वह अपनी मनोकामनाएं लेकर माता के चरणों में माथा टेकते हैं। लोक मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मुराद अवश्य पूरी होती है।

भद्रकाली का यह मेला सवा सौ वर्ष से भी अधिक समय से लगातार आयोजित होता आ रहा है। समय के साथ इसकी लोकप्रियता और श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती रही है। यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। मेले में आने वाले लोगों के लिए यह आस्था के साथ-साथ मेलजोल और आनंद का अवसर भी होता है।

मंदिर की स्थापना को लेकर भी कई जन श्रुतियां प्रचलित हैं। माना जाता है कि यह मंदिर मुगल सम्राट अकबर के समय का है और इसकी स्थापना बीकानेर रियासत के छठे महाराजा राम सिंह ने करवाई थी। मंदिर की स्थापत्य शैली भी इसे विशिष्ट बनाती है। इसकी बनावट अन्य काली मंदिरों से अलग दिखाई देती है। मंदिर का गुंबद मस्जिद की शैली में बना हुआ है, जो इसे एक अनोखा स्थापत्य स्वरूप प्रदान करता है और उस दौर की सांस्कृतिक विविधता की झलक भी दिखाता है।

मंदिर की स्थापना से जुड़ी एक रोचक जनश्रुति प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सम्राट अकबर बीकानेर के महाराजा रामसिंह के साथ इस क्षेत्र से गुजर रहे थे। उस समय यहां घना जंगल था। भूख-प्यास से व्याकुल होने पर उन्हें एक टीले पर खड़ी महिला मिली, जिसने तुरंत भोजन-पानी की व्यवस्था कर दी। अकबर ने उसे दैवीय शक्ति मानते हुए सेवा का आग्रह किया, जिस पर उस महिला ने यहां काली माता का मंदिर बनवाने की इच्छा जताई। इसके बाद अकबर के आदेश पर महाराजा रामसिंह ने यहां मंदिर का निर्माण कराया।

मंदिर परिसर में माता के अनन्य भक्त अमरनाथ जी का मंदिर भी है। किवदंती है कि उन्होंने अकबर के साले को किले के निर्माण के लिए अक्षय खजाना दिया था लेकिन बाद में उसकी नीयत बिगड़ गई। पश्चाताप होने पर वह अमरनाथ जी के पास पहुंचा। तब अमरनाथ जी ने मां काली के मंदिर के सामने जीवित समाधि लेकर अपनी समाधि पर मंदिर बनवाने की बात कही। आज वहां स्थित अमरनाथ मंदिर भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

आज भद्रकाली मंदिर क्षेत्र की जनआस्था और भक्ति का प्रतीक बन चुका है। इस मंदिर से जुड़ी एक विशेष बात यह भी है कि हर वर्ष बरसात के मौसम में आने वाली घग्गर नदी की बाढ़ का पानी इन मंदिरों के आसपास फैल जाता है। उस समय पूरा क्षेत्र पानी से घिरा हुआ दिखाई देता है। हालांकि चैत्र मास तक यह पानी एक सीमित धारा में बहने लगता है और मेले के दिनों तक अधिकांश पानी सूख जाता है जिससे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर तक पहुंचना आसान हो जाता है।

यह मंदिर देवस्थान विभाग के अधीन है और यहां पूजा-अर्चना तथा अन्य व्यवस्थाओं का संचालन विभाग की देखरेख में किया जाता है। मेले के दौरान स्थानीय प्रशासन और हनुमानगढ़ सेवा समिति (भारत क्लब) द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की जाती हैं। भद्रकाली मेला केवल धार्मिक आयोजन भर नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र की लोक आस्था, परंपरा और सामाजिक जीवन का जीवंत प्रतीक भी है। यहां आने वाले हजारों श्रद्धालु केवल पूजा-अर्चना ही नहीं करते बल्कि इस अवसर को उत्सव की तरह मनाते हैं। इस प्रकार यह मेला आस्था, इतिहास और लोक संस्कृति के संगम का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। ■

सभ्यता-संस्कृति संघर्ष...

कमलेश पांडेय

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध से तेल-गैस संकट गहराया

अंतर्राष्ट्रीय गठबंधनों पर सवालिया निशान लगा?

पश्चिमी एशिया के लिए अभिशाप साबित हो रहे ईरान-इजरायल युद्ध, कोई साधारण युद्ध नहीं बल्कि एक प्रकार का सभ्यता-संस्कृति संघर्ष है, जिसके बीज इतिहास में ही जमे हुए हैं। एक ओर जहां यह युद्ध इजरायल के लिए उसके अस्तित्व के रक्षा की लड़ाई है, वहीं दूसरी ओर यह युद्ध ईरान के लिए ईसाई मुल्कों के कथित लोकतांत्रिक-आर्थिक दांवपेंचों से ईरान को महफूज रखकर अरब-खाड़ी देशों में एक मजबूत इस्लामिक साम्राज्य स्थापित करने की मनःसंकल्पित सोच-समझ और ईरान से वैश्विक इस्लामिक साम्राज्यवाद का दबदबा बढ़ाने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर लड़ी जा रही है, जो आगे भी बदस्तूर जारी रह सकती, क्योंकि ईरानी धार्मिक शासन व संगठन का एकमात्र ध्येय यही है।

वहीं, पश्चिम एशिया और मध्य-पूर्व के अकूत तेल व गैस भंडार पर जिस तरह से अमेरिकी-यूरोपीय गठबंधन वर्चस्व कायम है, और अपने अपने हितों को लेकर उनके बीच भी अंतर्विरोध उपज चुका है, वह अप्रत्याशित है। जबकि मध्यपूर्व में अमेरिकी वर्चस्व तोड़ने के लिए रूसी-चीनी नेतृत्व भी आमादा प्रतीत हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत चल रहे दांवपेंचों से इस्लामिक मुल्क लगभग दो या चार फाड़ हो चुके हैं। सच कहूं तो शिया-सुन्नी इस्लामिक विभाजन इसकी जड़ में है, लेकिन सुन्नी बहुल सऊदी अरब, शिया बहुल ईरान, हिन्दू विरोधी पाकिस्तान और मुसलमानों का खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्किये के आपसी दांवपेंच किसी से छिपे हुए नहीं हैं।

इसके बावजूद, 56 इस्लामिक देशों को मिलाकर गठित ओआईसी और उसके इस्लामिक नाटो बनाने का वैश्विक लक्ष्य, यहूदियों के एकमात्र छोटे से मुल्क इजराइल को समाप्त करने पर तुले हुए ईरान की सनक से गहराते फिलिस्तीन-गाजा विवाद और भारतीय हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान परस्त ओआईसी के अंतर्राष्ट्रीय दांवपेंचों ने जब हिंसक और आतंकवाद परस्त इस्लामिक दुनिया को मौजूदा क्रूर संघर्ष के मुकाम तक पहुंचा दिया तो जिधर देखें उधर तबाही और बर्बाद होने के अलावा अन्य कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता।

वैचारिक सवाल है कि जब हर हिंसक सोच का त्रासदीपूर्ण अंत होना नैसर्गिक प्रक्रिया के मुताबिक तय है तो फिर ईरान और अमेरिका इसी रक्तिम राह पर अग्रसर क्यों हैं? और यदि वो ऐसे ही हैं तो इससे शेष दुनिया आश्चर्यचकित क्यों है? शायद इसलिए कि उनके तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो चुकी है, और अबतक सारा शांतिपूर्वक तमाशा देखने वाला खेल लगभग बिगड़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक दायित्व पर सवालिया निशान तो बहुत पहले ही लग चुके हैं, लेकिन पीस बोर्ड ऑफ गाजा क्या कर रहा है?

उधर, अमेरिकी-यूरोपीय देशों को बैलेंस रखने वाले रूस-चीन-उत्तरकोरिया गठजोड़ और अमेरिका को छोड़कर वीटो शक्ति प्राप्त अन्य चार देश क्या कर रहे हैं? दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का पाठ पढ़ाने वाला भारत और उसका ग्लोबल साउथ चुप्पी क्यों साधे बैठें हैं? कथित ओआईसी ईरान को मरता-पिछड़ता देखकर बेचैन क्यों नहीं हो रहा है?अब्राहम परिवार के भागीदार देशों के मुंह पर पट्टी क्यों बंधी हुई है? यदि कुछ देशों को परमाणु बम रखने और लंबी दूरी वाली मिसाइल बनाने का हक है तो फिर वही हक ईरान को रहने देने में किसको परेशानी हुई है? सुलगता सवाल है कि क्या कर ईरान को परमाणु बम बनाने का हक नहीं है, जबकि सिर्फ पाकिस्तान को यही हक अमेरिकी अगुवाई में प्राप्त है? क्या ईरान को लंबी दूरी की मिसाइल बनाने का हक नहीं है, और सिर्फ पाकिस्तान को अमेरिकी-चीनी सरपरस्ती में प्राप्त है? आखिर ऐसी ओछी दलीलों के पीछे अमेरिकी खलनीति तो साफ नजर आती है, क्योंकि इन्हीं सतही वजहों के सहारे ईरान पर हमले किए गए। न केवल ईरानी सुप्रीम लीडर और उनके चहेतों को मार गिराया गया, बल्कि उच्च पदस्थ लोगों के खात्मे का सिलसिलेवार अभियान इजरायल द्वारा जारी है!

फिर भी ईरान ने जो अपनी रणनीतिक ताकत दिखाई, संगठनात्मक क्षमता प्रदर्शित किया, उससे ईरान विरोधी देश दंग हैं और यूरोपीय नाटो देश भयभीत! शायद इसलिए भी अब वो अमेरिका के साथ पूरी तरह से खड़े दिखाई देना नहीं चाहते हैं।

ईरान अपने ही सहोदर अरब-खाड़ी व मध्यपूर्व के देशों की जो कुटाई कर रहा है, उसकी कल्पना भी कभी ओआईसी ने नहीं की होगी! इन तमाम रक्तिम रंजिशों के पीछे समझदारी की भावना है या ईर्ष्या का भाव, यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन उससे पहले ईरान क्या करेगा? अमेरिका इजरायल परस्त अपने पड़ोसियों को कितना बर्बाद कर पाएगा, यह वक्त बताएगा। सवाल यह भी है कि जब इस्लामिक नाटो बनाने के सपने संजोए जा रहे हैं, पाकिस्तान और तुर्की जैसे मुल्क भारत विरोध के नाम पर इजरायल विरोध तक पर तुले हुए हैं, उसके दृष्टिगत इजरायल का आक्रामक होना लाजिमी है। इस लंबे खिंचते जा रहे युद्ध से बचने के लिए दुनिया के थानेदार अमेरिका ने पूरी कोशिश की, लेकिन जिस तरह से पश्चिमी एशिया में ईरान अपनी मनमानी पर तुला हुआ है, उसे रूस-चीन-उत्तरकोरिया और कुछ हदतक भारत का समर्थन हासिल है, उसके दृष्टिगत इजरायल की रक्षा करने का कर्तव्य अमेरिका का तो बनता ही है, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ यहूदी कौम ही है। वो भी तब जबकि पश्चिमी एशिया के सुन्नी मुस्लिम देश भी शिया मुस्लिम मुल्क ईरान को कमजोर रखने को लालायित हों। ■

संगठन की शक्ति...

प्रदीप छाजेड़ (बोरावड़)

संयुक्त परिवार बनाम परिवार के साथ जुड़ाव

मैंने देखा समझा अनुभव आदि किया है की आजकल मानव के स्वयं के स्वार्थ हावी हो गये है। जिससे मानव स्वयं, बीवी, बच्चों आदि में रहता है इससे आगे वह चलना तो दूर सोच आदि भी नहीं पाता है। हर अँगुली जैसे समान नहीं होती वैसे ही हर मानव की सोच एक जैसी नहीं होती है। जहां एकता होती है वहां नेकता होती है। हम एकता में अनेकता की खोज करें। कभी कभी नहीं।

हम हर रोज करें। एक - एक तिनका मिलकर जैसे घर का सारा कूड़ा निकाल बाहर करता है। उसी तरह एक एक आदमी के मिलने से सारा धर,परिवार व देश संवरता है। ऐसे में हमें संगठन की शक्ति का सही अनुमान करें।

जीवन की गति को ओर अधिक आसान करें। सागर की विराटता मे, पानी की एक-एक बूंद का योगदान है। एक-एक कडी का जुडाव ही तो है मजबूत जंजीर की पहचान है।सूरज की एक किरण तिमिर के साम्राज्य को ध्वस्त कर देती है क्योंकि उसके तेज के साथ सूर्य की असीम शक्ति विद्यमान है। संगठन की शक्ति बंद मुट्ठी लाख की वह खुल गई तो ख़ाक की। यही तो हैं संगठन की शक्ती जो व्यक्ति को सम-शम-श्रम की कहानी गढ़ते हुए विकास सोपान पर आरोहण करवाती हैं।इस शक्ती के कारण ही कोई भी सभा - संस्था -समाज-राष्ट्र संघर्षों से ना घबराते हुए, जूझारूपन के साथ ठोस एवं निष्पत्ति-जनक कार्यों का परचम फहराती हैं। इसलिए ज़रूरी हैं सकारात्मक सोच व ज़बरदस्त उत्साह, जिस कारण हम सफलता के पायदान पर सशक्त बढ़ते है।

संगठन की शक्ति की प्रचलित कहानी एक पिता और उसके चार पुत्रों की है जिस प्रकार एक लकड़ी को कोई भी तोड़ सकता है लेकिन यदि वह अनेक लकड़ियों का गट्ठर बन जाए तो उसे तोड़ना असम्भव है। संगठन की शक्ति का एक और उदाहरण झाड़ू है जो स्वयं बिखरा तो कचरा और एक साथ बँधा तो घर साफ़ सुथरा।माना कि आज की इस देखा देखी में परिवार बिखर रहे है तो क्यों नहीं हम अकेले रहते हुए होली दिवाली आदि में कम से कम संयुक्त परिवार के साथ हो। खाने पीने आदि के संग। इसमें यह नहीं सोचे की खर्चे का पैसा कौन देगा वह किससे कैसे लिया जाये आदि। आपसे व्यवस्था हो तो अच्छा है नहीं तो किसी दूसरे को व्यवस्था का भार दे दे स्वयं अपनी अपेक्षा अनुसार योगदान दे।

मान लो आप अपने स्वास्थ्य आदि कुछ कारण से करोगे नहीं तो आपको कोई नहीं कहेगा आप संग मिलकर खाने पीने आदि में साथ रहकर समय तो दे ही सकते हो जिससे रिश्तों को नयी दिशा व अपनत्व की धार आदि मिलती रहे। अपने - अपने का जुड़ाव रहे। यही तो है संयुक्त परिवार बनाम परिवार के साथ जुड़ाव।

विशेष

सुख की दुकान में 'खुशी' की तलाश : वह महँगा सौदा जो हम हार रहे हैं

हर साल 20 मार्च को 'विश्व प्रसन्नता दिवस' (International Day of Happiness) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिन कैलेंडर के पन्नों पर एक रस्म बनकर रह गया है लेकिन आज जब हम अपने चारों ओर देखते हैं तो एक यक्ष प्रश्न खड़ा होता है - क्या हम वास्तव में खुश हैं? या हम केवल खुश दिखने का अभिनय कर रहे हैं? ऊँची अट्टालिकाएँ, चमचमाती गाड़ियाँ और हाथ में दुनिया भर की सूचनाओं को समेटे स्मार्टफोन्स! भौतिक विकास के इस शिखर पर खड़े होने के बावजूद इंसान के चेहरे से वह सहज मुस्कान गायब है, जो कभी नीम के पेड़ के नीचे बैठे बुजुर्गों या गलियों में धूल फाँकते बच्चों के पास हुआ करती थी।

आभासी दुनिया : झूठी मुस्कान का मायाजाल

आज की सबसे बड़ी विडंबना 'डिजिटल खुशी' है। हम अपनी जिंदगी जीने से ज्यादा उसे 'पोस्ट' करने में व्यस्त हैं। रेस्तरां में खाना आने पर हम स्वाद बाद में लेते हैं, पहले उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। विडंबना देखिए, लोग अपनी तस्वीरों को 'फिल्टर' लगाकर सुंदर बना रहे हैं, जबकि असल जिंदगी में तनाव की झुर्रियां गहराती जा रही हैं।

हम दूसरों की 'रंगीन' फीड देखकर अपनी 'साधारण' जिंदगी की तुलना करने लगते हैं। यह तुलना ही तनाव की जननी है। हम यह भूल जाते हैं कि स्क्रीन पर दिखने वाली वह 'परफेक्ट' दुनिया महज एक चुनिंदा पल है, पूरी सच्चाई नहीं। दूसरों की नकली खुशी को मानक मानकर हम अपनी असली शांति की बलि चढ़ा रहे हैं।

प्रकृति से दूरी : जड़ों को काटकर खुशबू की तलाश

इंसान ने कंक्रीट के जंगल तो बना लिए, लेकिन वह उस माटी की महक भूल गया जहाँ से उसका अस्तित्व शुरू हुआ था। ब्रह्मांड की हर इकाई - चाहे वह चहचहाती चिड़िया हो, बहती नदी हो या खिलता हुआ फूल। हर कोई अपनी प्रकृति में आनंदित है। सूरज बिना थके रोशनी देता है और खुश रहता है, पेड़ फल देकर निहाल रहता है। केवल इंसान ही है जो प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने के बजाय उसे जीतने की कोशिश में खुद को अकेला कर चुका है। जब हम नंगे पैर घास पर चलना छोड़ देते हैं, जब हम उगते सूरज को देखने के बजाय अलार्म की आवाज पर झुंझलाते हैं, तो समझ लीजिए कि हमने खुशी का एक बड़ा द्वार खुद ही बंद कर लिया है।

बड़ी उपलब्धियों का मोह और छोटी खुशियों का कत्ल

हम एक ऐसी अंधी दौड़ में शामिल हैं जहाँ 'बड़ा' होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। हम सोचते हैं कि जब बड़ा घर होगा, बड़ी पदवी होगी या बैंक बैलेंस करोड़ों में होगा, तब हम खुश होंगे। इस 'कल' की तलाश में हम अपना 'आज' मार रहे हैं।

खुशी कोई मंजिल नहीं है जिसे आप एक दिन पहुंच कर हासिल कर लेंगे; यह तो रास्ते में मिलने वाले छोटे-छोटे पत्थर हैं जो चमकते हैं। घर की चाय की चुस्की में, बच्चों की तुतलाहट में, किसी पुराने दोस्त के अचानक आए फोन में या बारिश की पहली बूंदों में जो आनंद है, वह किसी बड़े प्रमोशन की फाइल में नहीं मिलेगा। जो छोटी खुशियों को सहेज नहीं सकता, वह बड़ी खुशियों को कभी संभाल नहीं पाएगा।

जीवन की क्षणभंगुरता : नश्वरता का बोध ही आनंद का मार्ग है

भारतीय दर्शन कहता है कि यह शरीर और यह संसार नश्वर है। जिसे हम अपना कह रहे हैं, वह एक दिन मुट्ठी से रेत की तरह फिसल जाएगा। यदि हम इस सत्य को आत्मसात कर लें कि हमारी जीवन अवधि क्षणिक है तो हम नफरत, ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा के लिए समय ही नहीं निकाल पाएंगे। हर पल को इस तरह जीना चाहिए जैसे वह अंतिम हो। जब आप यह जान लेते हैं कि कल का भरोसा नहीं, तो आप आज को पूरी शिद्दत से खुशियों के नाम कर देते हैं। खुद खुश रहना केवल आपकी जरूरत नहीं, बल्कि समाज के प्रति आपकी जिम्मेदारी है, क्योंकि एक दुखी व्यक्ति केवल दुख ही बांट सकता है।

कृतज्ञता : ईश्वर के उपहारों का सम्मान

तुलना करना बंद कीजिए। आपके पास जो है, वह दुनिया के लाखों लोगों के लिए एक सपना है। बिना तुलना किए जब हम उस परम सत्ता का आभार व्यक्त करते हैं, तो मन में संतोष का भाव पैदा होता है। 'जो है, वह पर्याप्त है' - यह सोच ही इंसान को मानसिक गुलामी से मुक्त करती है। भौतिक विकास शरीर को सुख दे सकता है, लेकिन आत्मा की तृप्ति केवल 'संतुष्टि' से आती है।

कार्यस्थल और परिवार : खुशी का वास्तविक केंद्र

खुशी खरीदी नहीं जा सकती, लेकिन यह कमाई जरूर जा सकती है। अपने कार्यस्थल को केवल 'बोझ' न समझें। यदि आप अपने काम को ईश्वर की सेवा मानकर खुशी-खुशी करेंगे, तो थकान भी उत्सव बन जाएगी। उसी तरह, अपने घर-परिवार के रिश्तों में समय का निवेश करें। संवाद की कमी रिश्तों को खोखला कर रही है। अपनों के साथ बैठकर बात करना, उनके दुख-सुख को सुनना ही वह निवेश है जिसका लाभांश 'खुशी' के रूप में मिलता है।

सौदेबाजी बंद करो, जीना शुरू करो

अंततः, हमें यह समझना होगा कि जिस 'खुशी' को हम शोर-शराबे वाली दुकानों, महँगे ब्रैंड्स और डिजिटल दुनिया के दिखावे में तलाश रहे हैं, वह वहाँ कभी थी ही नहीं। हम उस कस्तूरी मृग की तरह हैं जो सुगंध की तलाश में पूरी दुनिया छान मारता है, जबकि वह महक उसकी अपनी नाभि में छिपी होती है।

बाजार आपको 'सुविधा' बेच सकता है, 'सुकून' नहीं। वह आपको 'बिस्तर' दे सकता है, 'नींद' नहीं। वह आपको 'भीड़' दे सकता है, 'साथ' नहीं। हमने इस महँगे सौदे में अपनी सादगी, अपनी शांति और अपना 'स्व' (Self) दांव पर लगा दिया है। अब समय आ गया है कि हम इस घाटे के व्यापार से बाहर निकलें।

खुशी कोई 'स्टेटस सिंबल' नहीं बल्कि 'साँसों का संगीत' है। यह किसी मॉल के शोर में नहीं, बल्कि घर की रसोई से आती महक में, किसी बूढ़े हाथ को थामने के अहसास में और प्रकृति की खामोशी को सुनने में छिपी है। जिस दिन हम तुलना करना छोड़ देंगे, उसी दिन हम अमीर हो जाएंगे।

उमेश कुमार साहू

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बुरी खबर

31 साल का तेज गेंदबाज चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का अभी आगाज भी नहीं हुआ है और इससे पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स को तगड़ा झटका लग गया है। IPL 2026 से पहले चेन्नई के धाकड़ तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी से बॉलिंग यूनिट में एक खालीपन आ गया है, खासकर अहम डेथ ओवर्स में, जहां उनसे एक अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी।

31 साल के इस ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है और वे समय पर ठीक नहीं हो पाएंगे। CSK के CEO के.एस. विश्वनाथन ने यह जानकारी दी। CSK के CEO के.एस. विश्वनाथन ने स्पोर्ट्सस्टार से बातचीत में कहा कि यह हमारे लिए एक बड़ा झटका है। एलिस एक अहम गेंदबाज हैं, खासकर डेथ ओवर्स में। हम उनकी जगह किसी और खिलाड़ी की तलाश कर रहे हैं।

> काशी विश्वनाथन के इस बयान से साफ है कि नाथन एलिस आईपीएल 2026 सीजन का हिस्सा नहीं रहेंगे. उनकी जगह चेन्नई किसी अन्य तेज गेंदबाज को टीम में शामिल कर सकती है नाथन एलिस ने 2025 सीजन में चेन्नई के लिए एक मैच खेला था, जिसमें उन्होंने एक विकेट लिया.

साल 2022 से चेन्नई की टीम डेथ-ओवर्स स्पेशलिस्ट के तौर पर मथीशा पथिराना पर निर्भर थी, लेकिन पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्होंने इस श्रीलंकाई तेज गेंदबाज को रिलीज कर दिया। बता दें, नाथन को CSK ने IPL 2026 के ऑक्शन से पहले रिटने किया था, लेकिन इस सीजन वह टीम को अपनी सेवाएं नहीं दे पाएंगे। अब CSK मैनेजमेंट को जल्द से जल्द नाथन का रिप्लेसमेंट खोजना होगा।

इस बीच, विश्वनाथन ने यह भी कहा कि विदेशी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में कैंप में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में पश्चिम एशिया में आए संकट का उनके विदेशी खिलाड़ियों की यात्रा योजनाओं पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। नूर अहमद पहले ही पहुंच चुके हैं, जबकि जेमी ओवरटन के आज रात चेन्नई पहुंचने की उम्मीद है।

नाथन एलिस को क्या हुआ ?

ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय तेज गेंदबाज नाथन एलिस इन दिनों हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे हैं. इसी कारण वह तय समय तक रिकवरी नहीं कर पाएंगे और उन्हें आईपीएल से बाहर होना पड़ सकता है. चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने स्पोर्टस्टार से बातचीत में कहा,

यह हमारे लिए बहुत बड़ा झटका है. डेथ ओवर्स में एलिस एक अहम गेंदबाज हैं. हम उनके रिप्लेसमेंट पर विचार कर रहे हैं.

छठे खिताब की तलाश में चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स ने अपना आखिरी खिताब साल 2023 में जीता था। पिछले 2 सीजन चेन्नई की टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी। इस सीजन फैंस को टीम से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन नाथन एलिस के बाहर होने से इन उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। अब देखना होगा कि टीम नाथन एलिस के रिप्लेसमेंट के तौर पर किस गेंदबाज को अपनी टीम में शामिल करती है।

चेन्नई सुपर किंग्स का स्क्वाड: ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, उर्विल पटेल, अंशुल कंबोज, जेमी ओवर्टन, रामकृष्ण घोष, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, जैक फॉल्क्स, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, अकील हुसैन, मैट हेनरी, राहुल चाहर।

दिग्गज क्रिकेटरों ने गुड़ी पड़वा, उगादी की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के दिग्गजों ने गुरुवार को गुड़ी पड़वा और हिंदू नववर्ष के अवसर पर प्रशंसकों को बधाई दी। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने परिवार के साथ गुड़ी पड़वा मनाते एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी पत्नी और मां नजर आ रही हैं। सचिन तेंदुलकर के अलावा भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, अनिल कुंबले और जयशाह ने भी गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्रि के मौके पर सुख, समृद्धि और नई शुरुआत की कामना की है।

सचिन तेंदुलकर ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी मां से आशीर्वाद लेते नजर आए। इस दौरान उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर भी मौजूद रहीं। उन्होंने मराठी में लिखा, "तुम्हाला व कुटूंबियांना, गुडीपाडवा व मराठी नववर्षाच्या, हार्दिक शुभेच्छा (आपको और आपके परिवार को गुड़ी पड़वा और मराठी नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह नया साल खुशी, आनंद और समृद्धि लेकर आए, यही मेरी हार्दिक प्रार्थना है।")

भारतीय स्पिनर ने खोला बड़ा राज

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। IPL 2026 से ठीक पहले भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जिसने फैंस को चौंका दिया है। बेहतर फिटनेस, आत्मविश्वास और प्रदर्शन के इरादे से चहल ने पिछले 6 महीनों से शराब से दूरी बना ली है। युजवेंद्र चहल ने एबी डिविलियर्स के साथ बातचीत में यह खुलासा किया। चहल IPL 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से जलवा बिखेरते नजर आएंगे।

IPL 2025 में पंजाब के लिए उनका प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा था, लेकिन अब वह टीम को खिताब जिताने के मिशन के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। चहल ने IPL 2025 में 14 मैचों में 16 विकेट लिए थे और टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स

> बेहतर फिटनेस, आत्म विश्वास और प्रदर्शन के इरादे से चहल ने पिछले 6 महीनों से शराब से दूरी बना ली है

बैंगलोर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अब चहल का लक्ष्य इस बार ट्रॉफी का सूखा खत्म करना है।

चहल ने अपने फैसले पर खुलकर बात करते हुए कहा कि उन्होंने शराब पीना बंद कर दिया है और इसे 6 महीने से ज्यादा हो गए हैं। अब वह 35 साल के हैं, इसलिए ज्यादा एक्टिव रहना चाहता हूं और अपनी टीम के लिए 150% देना चाहते हैं।

नोरा-संजय पर महिला आयोग का एक्शन

कहा- दोनों 24 मार्च तक पेश हों, नहीं तो कानून कार्रवाई हो सकती है

> मैं इस गाने से जुड़ी कंट्रोवर्सी पर डिस्कस करना चाहती हूं। इस वक्त में अपने करीबी की मौत के सदमे में हूं। मैं नेटवर्क में नहीं थी, जिससे मुझे पता नहीं चला कि क्या चल रहा है। आज मैं नेटवर्क में आई तो मुझे इसकी जानकारी मिली। मैं कुछ चीजें साफ करना चाहती हूं। मैंने ये गाना तीन साल पहले कन्नड़ में शूट किया था। जो एक अलग इंडस्ट्री का हिस्सा है, जिसे सैंडलवुड कहा जाता है। जब मैंने 3 साल पहले ये गाना शूट किया तो मैंने इसके लिए हां इसलिए कहा क्योंकि ये बड़ी फिल्म का हिस्सा था, जिसमें बड़े आइकन संजय दत्त थे। कौन उनके साथ काम करने से मना करता। वो एक रीमेक था, नायक नहीं खलनायक हूं में, जैसा कि मैंने सोचा। वो भी एक आइकॉनिक गाना था।

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने विवादित गाने ₹सरके चुनर तेरी सरके₹ को लेकर एक्ट्रेस नोरा फतेही और एक्टर संजय दत्त को नोटिस भेजा है। साथ ही गाने के गीतकार रकीब आलम, वेंकट के. नारायण (प्रोड्यूसर, KVN ग्रुप) और किरण कुमार (डायरेक्टर) समेत अन्य संबंधित लोगों को भी नोटिस जारी किया गया है।

सभी को 24 मार्च को आयोग के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। NCW ने चेतावनी दी है कि तय तारीख पर उपस्थित न होने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। NCW ने इस गाने के कथित अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर खुद संज्ञान लिया है। आयोग के मुताबिक, गाने के बोल पहली नजर में आपत्तिजनक और यौन संकेतों वाले लगते हैं, जो कानून का उल्लंघन कर सकते हैं।

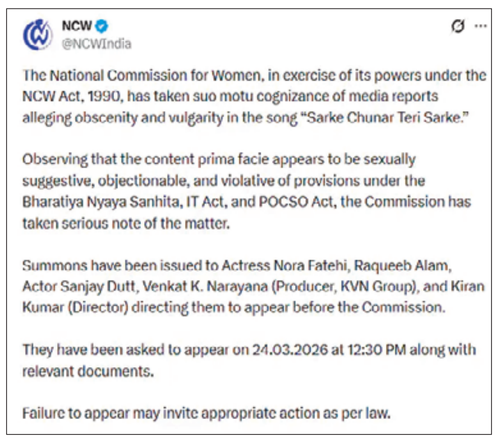
NCW
@NCWIndia

The National Commission for Women, in exercise of its powers under the NCW Act, 1990, has taken suo motu cognizance of media reports alleging obscenity and vulgarity in the song "Sarke Chunar Teri Sarke."

Observing that the content prima facie appears to be sexually suggestive, objectionable, and violative of provisions under the Bharatiya Nyaya Sanhita, IT Act, and POCSO Act, the Commission has taken serious note of the matter.

Summons have been issued to Actress Nora Fatehi, Raqueeb Alam, Actor Sanjay Dutt, Venkat K. Narayana (Producer, KVN Group), and Kiran Kumar (Director) directing them to appear before the Commission.

They have been asked to appear on 24.03.2026 at 12:30 PM along with relevant documents.

Failure to appear may invite appropriate action as per law.

वहीं, गाने को लेकर मंगलवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने शिकायत मिलने पर सेंसर बोर्ड, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और गूगल इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। बता दें कि गाने को मंगलवार को यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है।

संसद में भी उठा गाने का मुद्दा

संसद में भी समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने बुधवार को गाने के अश्लील लिरिक्स का मुद्दा उठाया था। इस पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था, 'अध्यक्ष जी, जिस गाने के बारे में सांसद जी ने कहा है, उस गाने पर पहले ही बैन लग चुका है। मैं साफ तौर पर आपके माध्यम से पूरे सदन को कहना चाहूंगा कि हमें फ्रीडम ऑफ स्पीच पर भारत के संविधान निर्माताओं ने जो रीजनेबल रिस्ट्रिक्शन लगाए हैं, उसी के हिसाब से चलना चाहिए।'

आगे उन्होंने कहा था, 'आने वाले समय में डिजिटल के माध्यम से जिस तरह से तेजी से चीजें फैलती हैं, उसमें हमें समाज के प्रोटेक्शन खासकर बच्चों के प्रोटेक्शन, महिलाओं के प्रोटेक्शन और पिछड़े वर्ग के प्रोटेक्शन के लिए जो भी कड़े एक्शन लेने पड़ें, वो लेने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।'

वहीं, गाने को लेकर विवादों में आईं नोरा फतेही ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि उन्हें कन्नड़ में गलत ट्रांसलेशन बताकर पूरा गाना शूट करवाया गया और फिर बिना उनकी अनुमति गाने को हिंदी में बना दिया गया।

जंग ट्रम्प की सबसे बड़ी गलती : ओमान

ईरान के तेल से बैन हटा सकता है अमेरिका ■ अमेरिका की फॉरेन पॉलिसी पटरी से उतरी

इंपैक्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। जंग के बीच अमेरिका ईरान के तेल पर लगे बैन में ढील दे सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से कहा कि ट्रम्प सरकार ईरान से जो तेल पहले से बाहर जा रहा है, उस पर लगी पाबंदियां कुछ समय के लिए हटा सकती है।

ईरान पर भले ही अमेरिकी पाबंदियां लगी हों, लेकिन फिर भी ईरान कुछ देशों को चोरी-छिपे या खास तरीकों से तेल बेच रहा है। अब अमेरिका यह सोच रहा है कि जो तेल वैसे भी बाजार में आ रहा है, उस पर लगी पाबंदियों को कुछ समय के लिए ढीला कर दिया जाए, ताकि सप्लाई खुलकर बढ़ सके और कीमतें कम हो सकें।

ईरान के तेल पर बैन हटा सकता है अमेरिका

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि ट्रम्प सरकार पहले से भेजे जा रहे ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी तौर पर हटा सकता है। उनका मकसद युद्ध के बीच बढ़ती तेल कीमतों को काबू में रखना है।

उन्होंने फॉक्स बिजनेस से बातचीत में कहा, "असल में हम अगले 10 से 14 दिनों तक कीमतें नीचे रखने के लिए ईरानी तेल का इस्तेमाल खुद ईरान के खिलाफ करेंगे, जबकि हमारा अभियान जारी रहेगा।"

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- बाइडेन की वजह से हथियार भंडार कमजोर

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर आरोप लगाया कि उन्होंने 2022 में रूस के यूक्रेन पर बड़े हमले के बाद यूक्रेन को हथियार और सैन्य उपकरण देकर अमेरिका के हथियार भंडार को कमजोर कर दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक बाइडेन प्रशासन ने ज्यादातर यूक्रेन को जमीन से इस्तेमाल होने वाले हथियार और सैन्य वाहन दिए थे। उन्होंने टॉमहॉक मिसाइल जैसे महंगे और उन्नत हथियार बड़े पैमाने पर नहीं दिए, जबकि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई में ऐसे हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल किया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने युद्ध के मीडिया कवरेज की निंदा की

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मिडिल ईस्ट युद्ध की मीडिया कवरेज की निंदा की है। उन्होंने कहा कि 'बेईमान और ट्रम्प विरोधी मीडिया' हमारी कामयाबी को कम करके दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि मीडिया ने लंबे समय तक चलने वाले युद्ध के खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है, जबकि हकीकत इससे अलग है।

हेगसेथ के मुताबिक,

अमेरिका इस युद्ध में 'अपनी शर्तों पर निर्णायक बढ़त' बना रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका का टारगेट ईरान की मिसाइल क्षमता और डिफेंस इंडस्ट्री को कमजोर करना और उसे परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है।

इसी बीच ओमान ने इस जंग को लेकर अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने ईरान के साथ जंग को ट्रम्प सरकार की 'सबसे बड़ी गलती' बताया है। उन्होंने कहा कि यह जंग वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रही है।

अलबुसैदी ने यह भी कहा कि अमेरिका की विदेश नीति पटरी से उतरती दिख रही है और इस संघर्ष से किसी पक्ष को फायदा नहीं होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि जल्द से जल्द इस जंग को खत्म कराने के लिए कदम उठाए जाएं।

अमेरिकी विदेश-रक्षा मंत्री के घर के ऊपर संदिग्ध ड्रोन दिखे

सिक्योरिटी को लेकर इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। वॉशिंगटन में अमेरिकी सेना के एक अहम बेस के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे गए हैं। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सैन्य बेस फोर्ट लेसली मैकनेयर के अंदर रह रहे हैं।

इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि इन ड्रोन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और यह भी साफ नहीं है कि वे कहां से आए थे।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के कारण सुरक्षा अलर्ट पहले से बढ़ा हुआ है। इसी वजह से सेना संभावित खतरों पर कड़ी नजर रख रही है। पिछले 10 दिनों में एक रात के दौरान फोर्ट लेसली मैकनेयर के ऊपर कई ड्रोन देखे गए, जिसके बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई और व्हाइट हाउस में इस मुद्दे पर इमरजेंसी बैठक भी हुई।

इसी बीच अमेरिका ने दुनियाभर में अपने दूतावासों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है और देश के

> ■ दोनों लीडर्स को शिफ्ट करने पर विचार

अंदर कई सैन्य ठिकानों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। न्यू जर्सी के जॉइंट बेस मैकग्वायर-डिक्स-लेक-हर्स्ट और फ्लोरिडा के मैकडिल एयर फोर्स बेस पर सुरक्षा स्तर बढ़ाकर 'चार्ली' कर दिया गया है।

इसका मतलब होता है कि किसी हमले या खतरे की आशंका है। इससे ऊपर केवल 'डेल्टा' स्तर होता है, जो तब लागू होता है जब हमला हो चुका हो या होने वाला हो।

फोर्ट मैकनेयर के ऊपर ड्रोन दिखने के बाद अधिकारियों ने यह भी विचार किया कि क्या रुबियो और हेगसेथ को किसी दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। हालांकि, अभी तक उन्हें वहां से नहीं हटाया गया है।

पाक मिसाइलों से अमेरिका को खतराः तुलसी गबार्ड

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने कहा है कि पाकिस्तान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें बना रहा है जो भविष्य में अमेरिका तक हमला कर सकती हैं।

उन्होंने वॉशिंगटन DC में एक मीटिंग के दौरान बताया कि आने वाले समय में दुनिया में खतरनाक मिसाइलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ सकती है। इंटेलिजेंस कम्यूनिटी (IC) का आंकलन है कि अभी करीब 3,000 मिसाइलें ऐसी हैं जो अमेरिका तक हमला कर सकती हैं, लेकिन 2035 तक ये बढ़कर 16,000 से ज्यादा हो सकती हैं।

गबार्ड के मुताबिक, रूस, चीन, नॉर्थ कोरिया, ईरान और पाकिस्तान जैसे देश नई-नई मिसाइल तकनीक और हथियार बना रहे हैं।

उन्होंने ये भी कहा कि पाकिस्तान ऐसी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) बना सकता है,

> ■ 10 साल बाद 16000 मिसाइलें अमेरिका तक हमला कर सकेंगी

जो बहुत दूर तक मार कर सकती है। वहीं ईरान भी 2035 से पहले ऐसी मिसाइल बना सकता है।

गबार्ड ने चीन और रूस को सबसे बड़ा और लगातार खतरा बताया। उनके मुताबिक, ये देश ऐसी उन्नत तकनीक विकसित कर रहे हैं जो अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भेद सकती हैं।

उन्होंने उत्तर कोरिया के साइबर खतरे का भी जिक्र किया और कहा कि 2025 में उसने क्रिप्टोकरेंसी चोरी के जरिए करीब 2 बिलियन डॉलर जुटाए, जिससे उसके हथियार कार्यक्रम को फंड मिला।

जंग के चलते क्रूड दोगुना, 146 डॉलर पहुंचा

पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है ■ हमले से कतर का प्लांट बंद, यूरोप में गैस की कीमत 30% बढ़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान की ओर से खाड़ी देशों के एनर्जी ठिकानों पर नए हमलों के बाद आज 19 मार्च को ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल और नेचुरल गैस की कीमतों में 30% तक की तेजी है। जंग शुरू होने के बाद से भारत में क्रूड की कीमतें लगभग दोगुनी होकर 146 डॉलर पर पहुंच गई है। इसके बढ़ने से भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम 10-15 रुपए बढ़ सकते हैं।

भारत इराक, सऊदी अरब, रूस, UAE से तेल खरीदता हैं। इन सभी अलग-अलग तरह के तेलों की कीमतों का जो औसत निकाला जाता है, उसे ही 'इंडियन बास्केट' कहते हैं। ईरान के कतर पर किए गए इस हमले का सबसे ज्यादा असर यूरोप में गैस के दामों पर पड़ा है। यहां मुख्य गैस कॉन्ट्रैक्ट डच TTF बेंचमार्क एक समय करीब 30% तक उछलकर 70 यूरो पर पहुंच गया था। हालांकि अभी यह 16% की तेजी के साथ 63 यूरो के करीब ट्रेड कर रहा है।

सोर्स: oilprice.com

कच्चा तेल	27 फरवरी	19 मार्च	चेंज
इंडियन बास्केट	71	146	106%
ओपेक बास्केट	70	135	93%
ब्रेंट क्रूड	73	113	55%
WTI क्रूड	67	97	45%

■ आंकड़े डॉलर प्रति बैरल में नोट: इंडियन बास्केट के दाम 18 मार्च के हैं।

भारत पर होने वाले असर को 2 पॉइंट में समझें...

भारत अपनी जरूरत का 85% कच्चा तेल और 50% से ज्यादा गैस आयात करता है, इसलिए वहां की हर हलचल हमारी जेब और इकोनॉमी पर असर डालती है।

1 पेट्रोल-डीजल और LPG के दाम बढ़ सकते हैं

इंडियन बास्केट के साथ इंटरनेशनल बेचमार्क ब्रेंट क्रूड भी जंग के बाद 73 डॉलर से बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल पहुंच है। अगर कच्चा तेल इसी स्तर पर बना रहा, तो सरकारी तेल कंपनियों के लिए मौजूदा कीमतों पर पेट्रोल-डीजल और गैस बेचना मुश्किल होगा। ऐसे में आने वाले दिनों में गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10 से 15 रुपए तक की बढ़ोतरी की आशंका है।

सरकारी तेल कंपनियों ने फिलहाल अपने मार्जिन को कम करके या घाटा सहकर कीमतों को कंट्रोल में रखा है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में साफ किया है कि भारत की एनर्जी सिक्योरिटी पूरी तरह सुरक्षित है। हालांकि इसके बावजूद अगर अगले 1-2 हफ्ते तक क्रूड इसी स्तर पर बना रहता है, तो सरकार के पास दाम बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

2 खाने-पीने की चीजें भी महंगी हो सकती है

कच्चा तेल से सिर्फ पेट्रोल-डीजल नहीं बनता बल्कि पेंट, प्लास्टिक, फर्टिलाइजर और दवाइयों के कच्चे माल में भी इस्तेमाल होता है। डीजल महंगा होने से माल ढुलाई महंगी होगी, जिससे फल, सब्जी और अनाज के दाम बढ़ेंगे। कुल मिलाकर आम आदमी का बजट बिगड़ जाएगा।

अनिल अंबानी से सीबीआई की पूछताछ

एसबीआई से ₹2,929 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े 2,929 करोड़ के लोन फ्रॉड मामले में सीबीआई ने आज 19 मार्च को उद्योगपति अनिल अंबानी से पूछताछ की। अनिल अंबानी सुबह दिल्ली स्थित सीबीआई हेडक्वार्टर पहुंचे, जहां एजेंसी के अधिकारियों ने उनसे सवाल-जवाब किए।

सीबीआई ने पिछले साल अगस्त में अनिल अंबानी और आरकॉम के खिलाफ केस दर्ज किया था। एसबीआई की शिकायत के मुताबिककंपनी पर विभिन्न बैंकों का कुल 40,000 करोड़ से ज्यादा का बकाया था।

इसमें से अकेले एसबीआई को 2,929.05 करोड़ का नुकसान हुआ। सीबीआई ने इस मामले में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और

> ■ 10 साल पुराना मामला, मैनेजमेंट में शामिल होने से इनकार

आपराधिक विश्वासघात की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

अनिल अंबानी के पक्ष का कहना है कि एसबीआई की यह शिकायत 10 साल से ज्यादा पुराने मामलों से जुड़ी है। जिस समय की यह बात है, उस समय अनिल अंबानी कंपनी के केवल नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे और वे कंपनी के रोजमर्रा के मैनेजमेंट या कामकाज में शामिल नहीं थे।

फास्ट न्यूज

डीसीएम ने बाइक सवार 2 युवकों को रौंदा

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार शाम एक बाइक और डीसीएम के बीच हुई टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में बाइक चला रहे एक युवक का दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया। पुलिस के अनुसार, मोहनलालगंज के परसपुर ठट्ठा, कुसमौरा निवासी अर्जुन कुमार (34) और उनके गांव के साथी कुलदीप (37) बुधवार शाम करीब 6:30 बजे बिजनौर की तरफ से बिजनौर-मोहनलालगंज रोड होते हुए अपनी बाइक से घर जा रहे थे।

रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी को अज्ञात वाहन ने रौंदा

लखनऊ । लखनऊ के आशियाना थानाक्षेत्र में सब्जी लेने निकले राज्यपाल ऑफिस से रिटायर्ड कर्मचारी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से गुस्साए परिजनों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सेक्टर- एच आशियाना के रहने वाले रमेश चौधरी (65) राज्यपाल कार्यालय से रिटायर्ड कर्मचारी थे। बेटे अभिषेक चौधरी ने बताया कि बुधवार को रात 8 बजे साइकिल से सब्जी लेकर घर वापस आ रहे थे। वंश क्लिनिक के सामने पहुंचे तभी किसी अज्ञात वाहन से टक्कर मार दी।

करोड़ों की जमीन पर फर्जीवाड़ा 6 बैंकों से लोन लेकर बना घर

लखनऊ । लखनऊ की कानपुर रोड योजना कॉलोनी में एक प्लॉट को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। सात बार खरीद-फरोख्त के बाद 13 साल में यह खुलासा हुआ कि प्लॉट की पहली रजिस्ट्री ही फर्जी थी। अब लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने मौजूदा मालिक की रजिस्ट्री निरस्त कर घर तोड़ने का आदेश जारी कर दिया है।

मामला गुरुवार को एलडीए में आयोजित जनता अदालत में उठा, जहां पीड़ित विवेक वर्मा अपनी शिकायत लेकर पहुंचे।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, पढ़े-लिखे नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा

'युवाओं का भविष्य अंधेरे में, 2027 में बदलाव तय'

समाजवादी पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को लेकर सरकार पर साधा निशाना

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में पढ़े-लिखे नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। पार्टी के राज्य मुख्यालय पर प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश को विकास की बजाय अंधेरे की ओर ले जा रही है। स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमराई हुई हैं। अपने संबोधन में उन्होंने समाजवादी पार्टी की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार, किसानों को राहत और उद्योग-धंधों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में पहले भी विकास कार्य हुए हैं और 2027 में फिर सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश को तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ाया जाएगा।

> सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि प्रदेश की जनता अब भाजपा की नीतियों को समझ चुकी है और 2027 के विधानसभा चुनाव में बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में भाजपा का सफाया हो जाएगा।

गरीबों को न समय पर एंबुलेंस मिल रही है और न ही उचित इलाज

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार के अंतिम वर्ष में स्वास्थ्य मंत्री द्वारा की जा रही कार्रवाई महज दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों को न समय पर एंबुलेंस मिल रही है और न ही उचित इलाज। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चौपट हो चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और लूट चरम पर है। प्राथमिक स्कूलों के बंद होने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इससे गरीब बच्चों की शिक्षा पर गंभीर असर पड़ा है, जो सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करता है।

प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र हेतु आवेदन

लखनऊ । परिवहन विभाग द्वारा योग्य चालक मुहैया कराने के दृष्टिगत प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना एवं रखरखाव हेतु पारदर्शितापूर्ण पर्यवेक्षण हेतु पोर्टल का विकास किया गया है। विकसित पोर्टल https://uptransport.upsdc.gov.in पर आवेदन ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किये जायेगे। आवेदकों के आवेदन प्रपत्र समस्त वांछित अभिलेखों के साथ उक्त पोर्टल पर स्वीकार किये जायेगे। अध्यक्ष, राज्य परिवहन प्राधिकरण उ0प्र0 श्रीमती किंजल सिंह ने बताया कि इच्छुक एवं अर्ह आवेदक चालन प्रशिक्षण केन्द्र की अर्हता व अन्य शर्तों के क्रम में अपना आवेदन विकसित किये गये पोर्टल पर 01 अप्रैल, 2026 को अपराह्न 12 बजे से प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 20 जनपदों में कुल 32 रिक्तियां हैं।

जनपद बलिया में रिक्तियों की संख्या 04, कानपुर नगर, बदायू में 03-03, महराजगंज, लखीमपुरखीरी, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, बलरामपुर में 02-02 एवं रामपुर, हरदोई, फिरोजाबाद, अम्बेडकर-नगर, कुशीनगर, बहराइच, फर्रूखाबाद, चन्दौली, फतेहपुर, महोबा, चित्रकूट, श्रावस्ती में 01-01 रिक्तियां हैं।

सुब्रत राय की पत्नी खाली करा रहीं अपनी सहारा सिटी

तमसा संकेत, एजेंसी

■ व्हाइट हाउस से ट्रक लग्जरी सामान ढो रहे 170 एकड़ में नई विधानसभा बनेगी

लखनऊ । लखनऊ में सहारा सिटी पूरी तरह खाली हो रही है। सुब्रत रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय भी अपनी कोठी स्वप्ना कुटी से लग्जरी सामान बाहर निकलवा रही हैं। सुब्रत की कोठी की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस से की जाती थी। पिछले 5 दिनों से सहारा सिटी के अंदर ट्रकों, डीसीएम और मैक्स से सामान ढोए जा रहे हैं। सहारा सिटी खाली होने के बाद मैनेजमेंट के लोग आ-जा नहीं सकेंगे। नगर निगम ने सहारा मैनेजमेंट से पूरा परिसर खाली करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 16 मार्च को सहारा सिटी की लीज खत्म करने के निर्णय को सही मानकर इसे नगर निगम को सौंपने का फैसला सुनाया था। 170 एकड़ से अधिक जमीन पर यहां नया विधानभवन बनेगा। बीते दिनों चांदी सहारा सिटी के अंदर से बड़ी चोरी हुई थी। चोर कई बेशकीमती सामान उठा ले गए थे। इनमें 0.32 बोर की दो ऑटोमैटिक पिस्टल, 5 कारतूस के साथ राडो, पाको रैबन, गिरार्ड पैरिवाक्स, टेक्नो मारिन और टाइटन सहित कई इंटरनेशन ब्रांड की घड़ियां शामिल थीं।

इसके अलावा दो कैमरे, दो एलसीडी टीवी, 878 कैसिनो क्वाइन, पांच मोबाइल, एक पिकअप, एसयूवी सहित एक किलो चांदी का पीकदान, 500 ग्राम चांदी की सात सिंदूर दानी, सोने के टप्स, चेन और बालियां सहित कई कीमती सामान भी चोरी हो गए थे। इस पर स्वप्ना रॉय ने कर्मचारियों पर मिलीभगत कर चोरी का आरोप लगाया था।

डा0 हेडगेवार के आदर्शों से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव : केशव प्रसाद

डॉ. हेडगेवार की जयन्ती पर मौर्य ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

> उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास, 7-कालिदास मार्ग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं प्रथम सरसंघचालक परम पूज्य डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि डॉ. हेडगेवार जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन शक्ति और सांस्कृतिक जागरण के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी हमें एक सशक्त, संगठित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में एकता, समरसता और राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। डॉ. हेडगेवार जी द्वारा स्थापित मूल्यों के अनुरूप कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

नृत्य, गायन की प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को मिला मेडल व प्रशस्ति पत्र

धूमधाम से मनाया गया चित्रगुप्त सभा का होली मिलन समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

> कार्यक्रम की शुरुआत चित्रगुप्त सभा इंदिरा नगर के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार महामंत्री शशिकांत श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष राजेश कुमार सक्सेना उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन दयाल व सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति ने दीप जलाकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर समाज सेविका रितु खरे सहित समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया गया।

लखनऊ। चित्रगुप्त धाम इंदिरा नगर में चित्रगुप्त सभा का होली मिलन समारोह बहुत धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह में ही विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम द्वितीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी चित्रगुप्त सभा की सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति ने दी।

सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति ने बताया कि गायन और नृत्य की प्रतियोगिताओं के साथ बहुत सुंदर-सुंदर मंच प्रस्तुतियां होली मिलन समारोह में संपन्न हुई। गायन प्रतियोगिता में अच्युत कृष्णा प्रथम अनंत श्रीवास्तव द्वितीय ,नृत्य प्रतियोगिता में श्रीजा नारायण प्रथम ईशाना श्रीवास्तव द्वितीय रही इसी क्रम में गायन प्रतियोगिता में निशांत श्रीवास्तव प्रथम बृजेश चंद्र सक्सेना द्वितीय तथा नृत्य प्रतियोगिता में रिद्धि गौड़ ,सिद्धि गौड़ प्रथम ,परिधि श्रीवास्तव द्वितीय स्थान पर रही। होली मिलन समारोह में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें गायन प्रतियोगिता में मीरा खरे तथा नृत्य में प्रतीति प्रथम तथा दिव्या रानी द्वितीय स्थान पर रही सभी विजयी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जहां एक तरफ फूलों की होली खेली गई वहीं दूसरी तरफ होली गीतों का कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जमकर आनंद लिया। इस अवसर पर डॉक्टर प्रणय कुमार , मनोज कुमार खरे, महेश सिन्हा सहित अखिलेश कुमार श्रीवास्तव व डाक्टर कविता श्रीवास्तव की विशेष रूप से उपस्थित रही। निर्णायक मंडल की भूमिका में सीनू भटनागर, कीर्ति श्रीवास्तव व पूनम सिन्हा रही। जबकि कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति ने किया।

सीएम योगी के निर्देश पर यूपीएसआईएफएस में जल्द स्थापित की जाएंगी पांच लैब्स

'योगी सरकार अपराध के बदलते तरीकों पर पांच नई लैब्स से लगाएगी ब्रेक'

■ क्वांटम कंप्यूटिंग लैब, चैलेंज्ड ऑडियो-वीडियो लैब, 3-डी प्रिंटिंग लैब, एससीएडीए लैब और डिजिटल फॉरेंसिक लैब की जाएंगी स्थापित

निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने अपराध के बदलते तरीकों पर रोक लगाने के लिए यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज में पांच नई लैब स्थापित करने का निर्णय लिया है। इन लैब के जरिये इंस्टीट्यूट के छात्र अपराध के विभिन्न स्वरूपों की जांच करने के तरीके सीख सकेंगे। इसके साथ ही यूपी पुलिस के जांबाज भी इन लैब्स से विभिन्न तरीकों से होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने के गुण सीख सकेंगे। योगी सरकार इंस्टीट्यूट में क्वांटम कंप्यूटिंग लैब, चैलेंज्ड ऑडियो-वीडियो लैब, 3-डी प्रिंटिंग लैब, आईटी/ओटी सिक्योरिटी के लिए एससीएडीए लैब और डिजिटल फॉरेंसिक लैब शुरू करेगी। इन लैब्स के शुरू होने से प्रदेश में अपराधों की जांच और साक्ष्य विश्लेषण की क्षमता में बड़ा सुधार होगा। गौरतलब है कि वर्तमान में इंस्टीट्यूट में पांच लैब्स संचालित हैं। इनमें एडवांस्ड साइबर फॉरेंसिक, एडवांस्ड डीएनए प्रोफाइलिंग, एआई-ड्रोन एंड रोबोटिक्स, डॉक्यूमेंटेशन एग्जामिनेशन और इंस्ट्रूमेंटेशन लैब्स शामिल हैं। इसके अलावा डिजिटल फॉरेंसिक लैब से मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरणों से डाटा रिकवरी और विश्लेषण की क्षमता बढ़ेगी।

नई लैब्स से केसों के निस्तारण में आएगी तेजी और दोषियों को जल्द सजा दिलाने में मिलेगी मदद

डिजिटल फॉरेंसिक लैब से डिजिटल उपकरणों की डाटा रिकवरी की बढ़ेगी क्षमता

3-डी प्रिंटिंग लैब अपराध स्थलों के मॉडल तैयार करने, हथियारों के प्रतिरूप बनाने और घटनाओं के रीक्रिएशन में मदद करेगी। इससे जांच एजेंसियों को केस को बेहतर तरीके से समझने और अदालत में प्रभावी प्रस्तुति देने में सहायता मिलेगी। वहीं, एससी-एडीए लैब आईटी और ओटी (ऑपरेशनल टेक्नोलॉजी) सुरक्षा से जुड़े मामलों की जांच के लिए महत्वपूर्ण होगी, खासकर औद्योगिक संस्थानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर होने वाले साइबर हमलों की पड़ताल में अहम भूमिका निभाएगी।

जटिल डाटा एनालिसिस को तेजी से सुलझाया जा सकेगा

यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा मॉर्डन टेक्नोलॉजी अपनाने पर जोर देते हैं। इसी कड़ी में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप इंस्टीट्यूट में पांच नई लैब की स्थापना की तैयारी की जा रही है। इसमें क्वांटम कंप्यूटिंग लैब के माध्यम से जटिल डाटा एनालिसिस और एन्क्रिप्शन से जुड़े मामलों को तेजी और सटीकता से सुलझाया जा सकेगा। यह लैब साइबर अपराधों की जांच में विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। वहीं, चैलेंज्ड ऑडियो-वीडियो लैब उन मामलों में अहम भूमिका निभाएगी, जहां खराब गुणवत्ता वाले ऑडियो या वीडियो को स्पष्ट कर साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल करना होता है।

इजराइल-ईरान तनाव के बीच परिवारों की लखनऊ वापसी

तमसा संकेत, एजेंसी

■ मिडिल ईस्ट से लौटे यात्री बोले-हालात उतने खराब नहीं जितना दिखाया जा रहा

लखनऊ । मिडिल ईस्ट में इजराइल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीयों के बीच डर का माहौल है। हालात और बिगड़ने की आशंका के बीच लखनऊ समेत यूपी के कई लोग अपने परिवार के साथ वापस लौट आए हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर पहुंचे यात्रियों ने बताया कि पिछले कई दिनों से वे डर और बेचैनी के माहौल में रह रहे थे। बस यही दुआ कर रहे थे कि किसी तरह सुरक्षित अपने देश लौट सकें। वापस लौटे यात्री एहसान ने कहा- सोशल मीडिया पर हालात को बहुत ज्यादा डरावना दिखाया जा रहा है। बहरीन-कुवैत बॉर्डर पर थोड़ी स्थिति खराब जरूर है, लेकिन सऊदी अरब के अंदर सब कुछ सामान्य है। वहां रोजमर्रा की जिंदगी सामान्य तरीके से चल रही है। मध्य-पूर्व में इज़राइल-ईरान तनाव के बीच जहां एक तरफ डर और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। वहीं लखनऊ लौट रहे प्रवासी भारतीयों के अनुभव इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी सामने ला रहे हैं। गुरुवार को लखनऊ पहुंचे एहसान, जो पिछले 10 सालों से सऊदी अरब में अकाउंटेंट के पद पर काम कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर जो दिखाया जा रहा है, जमीनी हकीकत उससे काफी अलग है। हालात सामान्य हैं।

एहसान ने कहा- भारत में बैठे उनके परिवार के लोग सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो देखकर काफी घबरा जाते थे। जब घर वाले ऐसे वीडियो देखते थे तो तुरंत फोन करते थे। उन्हें हमारी बहुत चिंता होती थी। लेकिन जब हम वीडियो कॉल पर उन्हें सही-सलामत दिख जाते थे, तब

पृष्ठ 01 का शेष...

दिल्ली में भाजपा और आप...

झड़प के बाद केजरीवाल ने कहा कि यह बहुत दुखद घटना है और वह पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि BJP को पीड़ितों की चिंता नहीं है और कोई पीड़ितों से सहानुभूति जताने आता है तो भाजपा वाले किसी को उनके रिश्तेदारों से मिलने भी नहीं दे रहे।

केजरीवाल ने यह भी कहा कि अगर फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती, तो लोगों की जान बचाई जा सकती थी। साथ ही उन्होंने इस पूरे मामले की सही जांच की मांग की।

भारद्वाज के वीडियो दिखान...

वीडियो को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और धक्का-मुक्की में बदल गया, जिससे शोकसभा का माहौल प्रभावित हो गया।

नासिक में रेप के आरोप में...

पुलिस को एक पेन ड्राइव मिली है, जिसमें 58 अलग-अलग महिलाओं से जुड़े आपत्तिजनक वीडियो होने की बात कही जा रही है। राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए IPS अधिकारी तेजस्विनी सातपुते के नेतृत्व में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) गठित की है। FIR दर्ज कराने वाली एक महिला का आरोप है ज्योतिषी ने नवंबर 2022 से दिसंबर 2025 के बीच कई बार यौन शोषण किया। पीड़िता का आरोप है कि पूजा-पाठ के बहाने ज्योतिषी उसे नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके स्थित अपने ऑफिस में बुलाता था। FIR के अनुसार, ज्योतिषी महिला से कहता था कि उसकी भविष्यवाणी के अनुसार उसके पति की जान को खतरा है। इसके बाद वह महिला को नशीला पेय पिलाकर उसके साथ रेप करता था। पुलिस ने बताया कि वह महिला को अपनी भविष्यवाणियों और धमकियों के जरिए डराता भी था।

खरात नासिक जिले के सिन्नर तालुका के मिरगांव स्थित श्री ईशनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट का चेयरमैन है। वहां उसका एक आलीशान फार्महाउस है, जहां कई प्रभावशाली लोग आते-जाते थे। आरोपी नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके में 'ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स' नाम से ऑफिस चलाता था।

आरोप है कि वहां असल में आपराधिक गतिविधियां होती थीं। उसने खुद को समाज में एक शक्तिशाली और सिद्ध ज्योतिषी के रूप में स्थापित कर लिया था। कहा जाता है कि उसके राजनीतिक संबंध दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र की सत्ता तक फैले हुए थे।

बताया गया कि अतीत में कई राजनेता और चर्चित लोग इस ज्योतिषी से मिलने आते रहे हैं। उसे कई नेताओं, सेलिब्रिटीज और उद्योगपतियों का आध्यात्मिक मार्गदर्शक माना जाता था। नवंबर 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उनके कैबिनेट सहयोगी राधाकृष्ण विखे पाटिल और दीपक केसरकर के साथ खरात से मिरगांव मंदिर में मिले थे।

नासिक पुलिस ने बुधवार को खरात की गिरफ्तारी के लिए एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाया था। रात के अंधेरे में पुलिस ने आरोपी के घर के बाहर चोर-चोर चिल्लाकर अफरा-तफरी का माहौल बनाया। इसी बहाने टीम घर के अंदर पहुंची और आरोपी को उसके बेडरूम से गिरफ्तार कर लिया।

छापेमारी के दौरान खरात के फार्महाउस से एक पिस्टल, जिंदा कारतूस और इस्तेमाल किए गए कारतूस भी बरामद हुए। मिरगांव स्थित मंदिर और आश्रम में भी तलाशी ली गई, जहां कई संदिग्ध दस्तावेज मिले। पुलिस के मुताबिक महाराष्ट्र में उसकी कई संपत्तियां भी जांच के दायरे में आ गई हैं।

एनआईए - एटीएस कोर्ट से...

गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से माओवादी विचारधारा से संबंधित भारी मात्रा में साहित्य, पंपलेट, सीडी, कैसेट और मैगजीन बरामद हुई थीं।

जांच में सामने आया कि आरोपी उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में गुप्त बैठकें कर रहे थे। इन बैठकों के जरिए वे लोगों को संगठन से जोड़ने, आतंक फैलाने और भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रच रहे थे। इसी आधार पर कानपुर नगर के थाना किदवई नगर में मुकदमा दर्ज किया गया, जिसकी आगे की विवेचना एटीएस द्वारा की गई।

मलाशय में फंसी 500 ग्राम...

इस स्थिति में व्यक्ति असामान्य यौन उत्तेजना के कारण जोखिम भरा व्यवहार कर सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे मामलों में मरीज अक्सर शर्मिंदगी के कारण देर से इलाज कराते हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो सकती है।

ईरान के जारी हमलों से ...

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने ईरान के साथ जंग को ट्रम्प सरकार की 'सबसे बड़ी गलती' बताया है। उन्होंने कहा कि यह जंग वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रही है।

अलबुसैदी ने यह भी कहा कि अमेरिका की विदेश नीति पटरी से उतरती दिख रही है और इस संघर्ष से किसी पक्ष को फायदा नहीं होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि जल्द से जल्द इस जंग को खत्म कराने के लिए कदम उठाए जाएं।

केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने गुरुवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल और गैस संकट पर मौजूदा हालात की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय (MEA) में जॉइंट सेक्रेटरी (गल्फ) असीम महाजन ने कहा कि यह सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय के लिए परीक्षा की घड़ी है। पेट्रोलियम मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने बताया कि युद्ध के कारण LPG की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि, देश में किसी भी LPG डिस्ट्रीब्यूटर के पास सिलेंडर की कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देश में ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94% पहुंच गई है। करीब 83% रीफिल डिलीवरी 'डिलीवरी ऑथेंटिकेट' कोड के जरिए हो रही है। पैनिक बुकिंग में कमी आ रही है। सुजाता शर्मा ने बताया, 'भारत में करीब 70% कच्चा तेल अब होर्मुज स्ट्रेट के बाहर के क्षेत्रों से आ रहा है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण दबाव जरूर है, लेकिन अभी तक कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।' अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है।

इसी बीच खबरें आई थीं कि अगर ग्राहकों ने e-KYC नहीं कराया, तो उनका गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। e-kyc से जुड़ी आई इन खबरों के बाद अफरा-तफरी जैसी स्थिति पैदा हो गई थी।

हालांकि पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्टिकरण दिया था कि यह कोई नया नियम नहीं है। eKYC की जरूरत सिर्फ उन्हीं ग्राहकों को है, जिनका वेरिफिके-शन अब तक नहीं हुआ है।

पीएम मोदी ने कुवैत के क्रा...

वहीं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव सी. सेंथिल राजन ने LNG सेवाओं से जुड़े सोशल मीडिया फ्रॉड को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा- LNG उपभोक्ता सोशल मीडिया पर फैल रहे फर्जी संदेशों से सावधान रहें। ऐसे संदेशों पर भरोसा न करें और जरूरत पड़ने पर पुलिस में शिकायत करें।

राष्ट्रपति ने अयोध्या में राम...

सपा पर निशाना साधते हुए कहा- आस्था को पहले अंधविश्वास कहकर अपमानित किया जाता था। अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो यूपी और देश की सत्ता में रहते थे। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और मथुरा वृंदावन की बात करना उनके लिए अंधविश्वास का पर्याय था। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद राष्ट्रपति का यह दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 1 मई, 2024 को अयोध्या आई थीं। राष्ट्रपति अयोध्या में करीब 5 घंटे रुकने के बाद दोपहर 3 बजे मथुरा के लिए रवाना हो गईं। जहां वह इस्कॉन और प्रेम मंदिर में दर्शन करेंगी। शुक्रवार यानी 20 मार्च को प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करेंगी।

बंगाल में बीजेपी की दूसरी ...

भाजपा ने एक दिन कांग्रेस छोड़कर पार्टी जॉइन करने वाले सांसद प्रद्युत बोरदोलोई को दिसपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। इधर, प्रद्युत बोरदोलोई के BJP में शामिल होने के बाद उनके बेटे प्रतीक बोरदोलोई ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। प्रतीक ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में कहा कि अब उनका कांग्रेस उम्मीदवार बने रहना सही नहीं होगा। भारत निर्वाचन आयोग आगामी विधानसभा चुनावों में बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, सेवारत मतदाताओं और चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाताओं को पोस्टल बैलेट (डाक मतपत्र) से वोट देने की सुविधा देगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676